डॉ. गैरी मीडर्स, ईश्वर की इच्छा को जानना, सत्र 7, विश्वदृष्टि क्या है

© 2024 गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

खैर, हम फिर से यहां हैं, और मुझे आशा है कि आप यहां हैं और आपने सभी व्याख्यानो को पढ़ लिया होगा। बधाई हो, इतने लंबे समय तक बात करने वाले व्यक्ति को सुनना काफी कठिन काम है। मुझे आशा है कि मेरी स्लाइड्स और नोट्स इसे थोड़ा और मनोरंजक बनाने में मदद करेंगे खैर, हम GM 7 पर आ रहे हैं।

इन शीर्षकों जैसी चीजों पर नज़र रखना आसान है; वास्तव में, सामग्री की तालिका में, उन्हें सात और आठ कहा जाता है। लेकिन हम उन्हें सात और आठ में अलग कर देंगे, और इसमें से बहुत कुछ थोड़ा डेजा वु होने वाला है क्योंकि मैंने आपसे विश्वदृष्टि और मूल्यों के बारे में बहुत बात की है लेकिन इस बार हम थोड़ी अधिक जांच करने जा रहे हैं, थोड़ा और स्पष्टीकरण करने जा रहे हैं और इसलिए दोहराव फिर से सीखने की कुंजी है और अगले दो व्याख्यान आपके लिए यह करेंगे इस प्रश्न का उत्तर देते हुए, विश्वदृष्टि क्या है? मूल्य क्या हैं? वे कैसे काम करते हैं? वे कहां से आते हैं? आप उन्हें कैसे लागू करते हैं? खैर, यही हम चाहते हैं ठीक है, अगर आप सुनिश्चित हैं कि आप सातवीं व्याख्यान में जाने के लिए तैयार हैं, तो मन को बाइबिल के विश्वदृष्टिकोण और मूल्य प्रणाली में बदलने के लिए ईश्वर की इच्छा को जानना, यह व्याख्यान विश्वदृष्टिकोण पर केंद्रित होने जा रहा है। आप कभी-कभी दूसरे के बारे में बात किए बिना एक के बारे में बात नहीं कर सकते, लेकिन यह अब विश्वदृष्टिकोण पर अधिक ध्यान देने वाला है क्योंकि यह एक विश्वदृष्टि है। जब हम ईश्वर की इच्छा को जानने की बात करते हैं तो हम इस मुद्दे पर वापस आते हैं; हम तुरंत ज्ञानमीमांसा की श्रेणी में आ जाते हैं। इस तकनीक का संबंध स्रोत की प्रकृति और ज्ञान की वैधता से है।

हम बाइबल पर आते हैं, विशेष रूप से इस स्कोर पर इस व्याख्यान में। हम बार-बार बाइबिल की कहानी के बारे में बात कर रहे हैं, और मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह सही है। यह लोगों के लिए गवाही देने और अपने विश्वास को साझा करने के लिए आपका प्रतिमान हो सकता है। एक शाश्वत ईश्वर है जिसने दुनिया को बनाने के द्वारा समय में प्रवेश किया और आदम और हव्वा वहां थे और सब कुछ बढ़िया था, लेकिन वे असफल रहे। ईश्वर के आज्ञाकारी होने के मामले में और पतन हुआ, पतन मानव इतिहास के बाकी हिस्सों में प्रमुख कुंजी बन गया और पतन को निर्धारित करता है। ईश्वर अपने नाम के लिए लोगों को छुड़ाने के बारे में है। कुछ पुराने लेखक रूपक का उपयोग करते हैं कि ईश्वर स्वर्ग का शिकारी कुत्ता है। वह लोगों को अपने पास आने के लिए परेशान करता है और फिर अंततः समापन करता है। तो, अब तक आप बाइबिल की कहानी जान गए होंगे। यदि हम आपको एक परीक्षा दे रहे होते और समझाते तो आपको इसे स्मृति से निकालने में सक्षम होना चाहिए। ईश्वर को जानने की दुविधा। यह एक और है।

यह एक डीजा वु है, है ना? हमारे पास ईश्वर का एक ही मॉडल है: पतन, पतन के परिणामस्वरूप विकृति, और हम प्राप्तकर्ता हैं। न केवल दुनिया शारीरिक रूप से विकृत है, बल्कि हम अपने

दिमाग में भी विकृत हैं। पतन का एक मानसिक प्रभाव है जिसके बारे में धर्मशास्त्री बात करते हैं। इसलिए, मानवता पतन की विकृति के कारण ईश्वर को जानने में सक्षम नहीं है। हमें मदद की ज़रूरत है, और आप फिर से जानते हैं कि वह मदद ईश्वर द्वारा हमें अपना वचन प्रदान करने से आती है, जैसा कि हमने पहले कुरिन्थियों अध्याय 2 से कुछ हद तक देखा है, और हम उस पर वापस आएं, ठीक है, इसलिए बाइबिल की कहानी और उस कहानी के पतन के परिणाम हैं कि हमें रोमियों 12:1 और 2 की आवश्यकता क्यों है ताकि हम इतने प्रभावी हो सकें कि रूपांतरित हो सकें हम जन्म से पापी हैं हम ईश्वर के खिलाफ जाने के लिए प्रवृत्त हैं।

हम स्वाभाविक रूप से ईश्वर को नहीं जानते। हम स्वाभाविक रूप से ईश्वर की आज्ञा का पालन नहीं करते हैं रूपांतरण, जैसा कि हम उस शब्द का उपयोग करते हैं, यीशु को हमारे उद्धारकर्ता के रूप में प्रस्तुत करना है, कि वह ईश्वर की छुटकारे की योजना की परिणति है, और उसमें हमें अनन्त जीवन है और एक कारण के रूप में और इसके परिणामस्वरूप यह रूपक है यूहन्ना 3 में निकोडेमस का फिर से जन्म हुआ और यहां तक कि निकोडेमस भी भ्रमित था ईश्वर यीशु वास्तव में उससे अधिक समझने की उम्मीद करता था ऐसा लगता है लेकिन तथ्य यह है कि वह भ्रमित था मैं अपनी मां के गर्भ में कैसे वापस जा सकता हूँ? खैर, फिर से जन्म लेना एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए अधिक है, और यह शब्द जिसका हम उपयोग करते हैं वह है रूपांतरण, जिससे ईश्वर एक चमत्कार करता है जिसे हम वास्तव में समझा नहीं सकते हैं, लेकिन यह एक तथ्य है, और हम इसे बाद में जानते हैं जब यह खत्म हो जाता है जहां वह हमारे जीवन में आता है और वह हमें एक बुनियादी तरीके से बदल देता है और फिर हम परिवर्तन का जीवन शुरू करते हैं ठीक है, अब हम इस मुद्दे के संबंध में तीन मूलभूत मान्यताओं के बारे में जानते हैं कि बाइबल आधारित विश्वदृष्टि होनी चाहिए। खैर, पहली मान्यता यह है कि बाइबल की कथा के अनुसार, उन्हें भगवान की छवि में बनाया गया था। ओह, उत्पत्ति 1 और 2 में, सभी प्रकार के स्थान हैं, यहाँ तक कि जेम्स में भी, जहाँ भगवान की छवि भगवान की छवि और समानता में होने के रूप में आती है।

और हमें सवाल पूछना होगा। होने का क्या मतलब है? भगवान की छवि में अब, कई बार हम इस बारे में बात करते हैं कि कैसे भगवान एक सोच, भावना, होने का चुनाव करते हैं, और उन्होंने हमें उस संबंध में उन्हें प्रतिबिंबित करने के लिए बनाया है। यह अच्छा है। हम इससे थोड़ा और गहराई में जा सकते हैं। मुझे लगता है कि भगवान की इस छवि के लिए लैटिन में इमागो देई का बहुत उपयोग किया जाता है। मानव जाति उद्धारण है, दृश्यमान शारीरिक प्रतिनिधि, प्रतिनिधित्व नहीं, इसलिए हम सभी यह जानते हैं।

यह सर्वविदित है। हम ईश्वर जैसे नहीं दिखते। हम ईश्वर का भौतिक प्रतिनिधित्व नहीं हैं।

हम एक व्यक्तिगत और नैतिक रिपर्टरी प्रतिनिधित्व हैं। पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ, यह प्रदर्शित करने का आह्वान है कि हम ईश्वर की छवि में हैं। यह अदृश्य ईश्वर का एक दृश्यमान शारीरिक प्रतिनिधित्व है, शारीरिक का अर्थ है कि यह शरीर में है, जैसे कि यह संपूर्ण व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। भागों को अलग करना कठिन है।

हम सोचते हैं, महसूस करते हैं, चुनते हैं, इत्यादि का प्रयोग करते हैं, और लोग उसमें इजाफा करते हैं, लेकिन सच तो यह है कि हम ईश्वर का संपूर्ण प्रतिनिधित्व हैं। हम इस कार्य में उनके

प्रतिबिंब हैं, और हम उस प्रतिबिंब सबसे अच्छे तब होते हैं जब हम उनकी उद्धार की योजना में भाग लेते हैं जब हम मसीह की छवि को प्रतिबिंबित करते हैं, उनके प्रतिनिधित्व के अनुरूप होते हैं वह पृथ्वी पर ईश्वर के सर्वोत्तम प्रतिनिधि थे, और वह पूर्ण प्रतिनिधि थे, और जैसे ही हम परिवार में आते हैं, हम ईश्वर के प्रतिनिधि बन जाते हैं, और यह पूरे व्यक्ति को बुलाने का एक बहुत बड़ा तरीका है। भागों को अलग करना एक पर्याप्त उदाहरण नहीं है; आप जानते हैं, यह प्रयोग करने योग्य है, और मैं इसे यहां जीएम में भी प्रयोग करूंगा। ओह, मैंने आपको क्लिंट नामक एक साथी का एक और हैंडआउट दिया था जिसने "ईश्वर की छवि होने का क्या अर्थ है?" में एक लेख लिखा था

आप इसे देख सकते हैं। आप इसे Google Scholar के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। मैंने पहले भी आपको इसके बारे में बताया है। Google अच्छा है, लेकिन अगर आप वास्तव में शोध करना चाहते हैं, तो यह Google Scholar Calm है, और आप इस तरह के लेख और निक्सन पर कई अन्य लेख ला सकते हैं। फिर भी, मुझे लगता है कि क्लेन का लेख बहुत उपयोगी था, और मैंने आपको आपके नोट्स में इसका सार दिया है, भले ही मैं आपको पूरा लेख नहीं दे सकता। इसलिए, ग्राहकों के अनुसार मनुष्य में ईश्वर की छवि यह एक उन्नत लेख है जिसे पढ़कर कोई भी व्याख्या के बारे में बहुत कुछ सीख सकता है। आप इसे कैसे खोलते हैं? ईश्वर के बारे में निहितार्थपूर्ण साक्ष्य और इसे प्रश्न तक पहुँचा सकते हैं।

उसकी छवि में होने का क्या मतलब है? मैं आपको यह नहीं पढ़कर सुनाऊंगा। लेख तो है, लेकिन आपको इसे खुद ही पढ़ना चाहिए। हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि आदम और हव्वा किस तरह से ईश्वर की छवि में थे। पतन से पहले के ईडन में उन्होंने किस तरह के फैसले लिए होंगे? बगीचे से बाहर निकाले जाने से पहले, उन्हें बनाया गया था। आदम को बनाया गया था, और हव्वा को बनाया गया था। हमारे पास उत्पत्ति में आदम द्वारा सृष्टि को नियंत्रित करने का विवरण है। वह था कि वह सृष्टि में प्रमुख था। कोई कहानी बताता है कि जब वह आदम को जानवरों का नाम दे रहा था, तो वहाँ मिस्टर और मिसेज रैबिट, मिस्टर और मिसेज जिराफ़ थे, और जो कुछ भी वहाँ हुआ। वह अपने आप में आ गया, मिस्टर, लेकिन मिसेज कहाँ है? फिर, आप जानते हैं, ईश्वर ने उसे एक सहायक प्रदान किया जो उसके लिए उपयुक्त था। दूसरे शब्दों में, उसने आदम को संतुलित किया। महिलाएँ पुरुषों को संतुलित करती हैं। हम दोनों कई मायनों में अलग हैं, और यह विविधता हमें ईश्वर का पूर्ण प्रतिनिधित्व देती है। अगर आप चाहें, क्योंकि महिलाएँ भी भगवान की छवि में हैं, तो आप जानते हैं, इसलिए इस बात पर विचार करें कि आदम और हव्वा ने कैसे निर्णय लिए होंगे। खैर, भगवान शाम को चले। उन्होंने आदम को मौखिक संदेश दिए, और हमारे पास उत्पत्ति के शुरुआती भाग के अलावा बहुत कुछ रिकॉर्ड नहीं है, लेकिन उन्होंने उन्हें कार्य करने के लिए पर्याप्त जानकारी दी। उन्होंने उसे बगीचे की देखभाल करने के लिए कहा ताकि इससे निपटा जा सके। खैर, अगर आप घटना के विवरण को ध्यान से पढ़ें, तो ऐसा नहीं लगता कि अभी तक खरपतवार है, इसलिए आदम के पास बढ़िया टमाटर, खीरे और स्कैश थे। यह एक दक्षिणी व्यक्ति का आहार है, और इसलिए, इसलिए मैं अमेरिका में एक तरह से दक्षिणी व्यक्ति हूँ। परिणामस्वरूप, आदम और हव्वा ने निर्णय लिए।

भगवान ने उसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा था। उसने उसे ऐसा करने के लिए कहा था उन्हें इसका पता लगाना था और उनके पास बहुत सी चीजें थीं लेकिन उसने उसे वह एक पेड़ दिया

और दिलचस्प यह सिर्फ भावना का पेड़ नहीं है यह मुझे समझने का पेड़ नहीं है यह अच्छाई और बुराई के ज्ञान का पेड़ है अब यह भगवान और मनुष्य के बीच अंतर के तथ्य के बगीचे के भीतर बहुत अधिक प्रतीकात्मक है भगवान ज्ञान का बीज है न कि एक आदमी और मुझे लगता है कि आदम और हव्वा के लिए बगीचे में प्रलोभन भगवान की तरह होना था यह ऐसा है जैसे कि पाठ बहुत ज्यादा कहता है वे अपना दर्जा भगवान के रुख में हड़पना चाहते थे और निश्चित रूप से तब सांप शैतान के पास आता है मेरा मानना है कि यहां बहुत सारे सवाल हैं सांप के रूप में शैतान उनके साथ संवाद कर रहा है यदि उस समय बगीचे में सभी सांप बात करते हैं, ठीक है, हम नहीं जानते कि यह सिर्फ दिलचस्प जिज्ञासा है शैतान कब गिरा, और इस बारे में प्रस्ताव हैं? एक पुरानी चीज़ है जिसे गैप थ्योरी कहा जाता है, जो मुझे लगता है कि अब पूरी तरह से समझ में आ गई है। शुक्र है, यह स्कोफील्ड संदर्भ बाइबिल नोट्स और पृथ्वी के शुरुआती युगों का हिस्सा था।

यह बहुत ही खराब व्याख्या थी। यह एक रचनात्मक रचना थी। इसे बाहर फेंक देना चाहिए।

मुझे लगता है कि शैतान वास्तव में आदम और हव्वा के साथ ही लगभग उसी समय गिरा था। स्पष्ट रूप से, क्योंकि शैतान परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह में था, उसने आदम और हव्वा को विद्रोह में धकेल दिया। शायद हमें नहीं बताया गया है। शायद उसी समय जब आदम और हव्वा गिरे, शैतान भी गिरा, और वे सभी लात खाए गए, और शैतान, मानो स्वर्ग से गिर गया। वह परमेश्वर के लिए बहुत उच्च-स्तरीय करूब रहा होगा, और हमें इसके बारे में बहुत कुछ नहीं बताया गया है। यहजेकेल और यशायाह यशायाह 14 और यहजेकेल 28 को अक्सर बगीचे में शैतान का वर्णन करने के लिए खींचा जाता है कि वह कौन था। एक बार फिर, मैंने यशायाह 14 मास्टर की थीसिस पर एक थीसिस लिखी है, और मैंने यहजेकेल 28 पर शोधपत्र लिखे हैं। वे बेबीलोन के राजा हैं, और यह कहानी नहीं है कि शैतान कौन है। बहुत से लोग उस धारणा के तहत खुद को व्यायाम करेंगे, और मैं आपको इसके बारे में सोचने के लिए चुनौती देना चाहूंगा। कि यह शैतान के पतन से पहले या बाद में कोई स्पष्टीकरण नहीं है। ठीक है। इसलिए, ईश्वर की छवि महत्वपूर्ण है, और आदम और हव्वा को ईश्वर की छवि में बनाया गया था। वे उस समय, उसके प्रतिनिधि थे, और इसलिए, उन्होंने कार्य करना शुरू कर दिया। उन्होंने चुनना शुरू किया, और फिर उन्होंने कुछ गलत चुनाव किए, और इससे दुनिया में अराजकता फैल गई। ठीक है।

अब, बाइबिल के ज्ञानमीमांसा में तीन आधारभूत मान्यताएँ हैं। पहली यह कि हम ईश्वर की छवि में बनाए गए हैं और इसके परिणामस्वरूप हम ईश्वर को प्रतिबिंबित करते हैं। हम उनके प्रतिनिधि हैं और वह हमसे उम्मीद करते हैं कि हम अच्छा काम करें और जीवों को चुनने के बारे में सोचें और चीज़ों के बारे में तर्क करने में सक्षम हों। यह सब ईश्वर की रचना का हिस्सा है। सबसे पहले, दूसरा प्रभाव पतन है और हमने पतन के तथ्य के बारे में बहुत बात की है। आइए इसके बारे में और बात करें। उन्हें ईडन गार्डन से बाहर निकाल दिया गया। यहाँ बहुत सारे बाइबिल के पाठ हैं।

मैं इन्हें आपके सामने नहीं पढ़ूंगा। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इन्हें पढ़ें और आपको सामान्य कथा पता हो। वापस जाकर इन्हें पढ़ना महत्वपूर्ण है। उन्हें ईडन से बाहर निकाल दिया गया है। पेड़ को अलग कर दिया गया है और संरक्षित किया गया है ताकि वे वापस उस तक न पहुंच सकें। यह हमें नहीं बताता कि क्या होगा यदि उन्होंने एक और सेब या अनार या जो कुछ भी

हुआ उसे खा लिया। लेकिन तथ्य यह है कि बाइबल की छवियां बताती हैं कि उनके पास अब उस चीज़ तक पहुंच नहीं है जो भगवान ने उन्हें दी थी। मानवीय स्थिति पाप की है और उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक के ग्रंथ इस बारे में हैं और यहां तक कि रोमियों ने भी शुरू से ही इस पर विचार किया है। आदम से लेकर मूसा तक मृत्यु ने राज किया। मृत्यु पतन के तथ्य का एक बड़ा प्रमाण है। चीजें मरने लगीं। एडम्स गार्डन अचानक मर गया। उसके पास कांटे और झाड़ियाँ हैं और उसे अस्तित्व में रहने के लिए अपने माथे के पसीने से काम करना पड़ता है। भौतिक दुनिया ने भी आदम और हव्वा के पाप के अभिशाप में भाग लिया। अब चीजें कठिन हो गई हैं। इसके बारे में बहुत सारी जानकारी है और मैं आपसे यह देखने के लिए अपनी जिज्ञासा का प्रयोग करने के लिए कहने जा रहा यहां तक कि गर्भाधान के समय से निश्चित रूप से गर्भाशय की दीवार पर आरोपण के समय तक विश्वास है और वह व्यक्ति फोरेंसिक रूप से, किराए की तलाश के लिए एक काम है किराए की तलाश का मतलब कानूनी है।

वे कानूनी तौर पर पापी घोषित किए जाते हैं। पापी सिर्फ एक नाम और एक श्रेणी है उन लोगों के लिए जो अपने निर्माता, मानवीय स्थिति के साथ रिश्ते में नहीं हैं। विश्वासियों की शर्त है कि हम जन्म से ही पापी हैं। हम गर्भ से ही पापी के रूप में निकलते हैं। मेरी एक छोटी बहन है। मैं उससे 10 साल बड़ी हूँ।

मेरे शिक्षक ने कभी भी गलत काम नहीं किया। और आप जानते हैं, जब मैं अमेरिकी नौसेना में जाने से पहले अपने शुरुआती दिनों में बड़ा हो रहा था, तो वह हमेशा ऐसा करती थी क्योंकि हम यही करते हैं। हम गलत काम करते हैं। हम इंसान हैं। हम तब तक गलत दिशा में चलते हैं जब तक कि हम सीधे नहीं हो जाते। विश्वासियों की स्थिति के बारे में सभी प्रकार के ग्रंथ हैं। हम अधर्म में तीखे हुए हैं और पाप में बने हैं। रोमियों 1 से 3 अंधकार की एक प्रार्थना है। यह आदम के ईश्वर के खिलाफ विद्रोह का परिणाम है, और हम मनुष्य के रूप में उसी विद्रोह में पैदा हुए हैं। बहुत सारे मुद्दे हैं। हम एक बच्चे हैं आप जानते हैं, हमारे यहाँ रचनात्मक रचनाएँ हैं। हमारे पास वास्तव में कोई प्रत्यक्ष पाठ नहीं है, लेकिन यह उचित लगता है कि बच्चा ईश्वर की सुरक्षा में है जब तक कि वे अपने जीवन में उस बिंदु पर नहीं आते जहाँ वे ईश्वर का अनुसरण करने का निर्णय ले सकते हैं और वह निर्णय जटिल हो सकता है क्योंकि हर कोई ईसाई संस्कृति में पैदा नहीं होता है हर कोई उन चीजों के बारे में नहीं सुनता है।

यह एक और सबक है, अजन्मे और जन्मे बच्चों के सवाल पर वीडियो की एक श्रृंखला और जिसे वे जवाबदेही की उम्र कहते हैं, अगर यह एक वैध क्रीक निर्माण है। ओह, आप इसका पता लगा सकते हैं। प्रत्येक संप्रदाय, इसलिए बोलने के लिए, इसका उत्तर है। प्रेस्बिटेरियन में शिशु बपतिस्मा है। यदि बपतिस्मा कथित रूप से माता-पिता के विश्वास के तहत बच्चे की रक्षा करता है, जब तक कि वह बच्चा उस बिंदु पर नहीं पहुंच जाता जहां माता-पिता उन्हें यीशु के बारे में अपना निर्णय लेने के लिए प्रेरित करते हैं। खैर, ये अन्य विषय हैं, लेकिन हमारी स्थिति खराब है।

हम उतने बुरे नहीं हैं, जितने हम हो सकते थे। हम हिटलर, मुसोलिनी या हमारी दुनिया के सभी भयानक लोगों, स्टालिन और विभिन्न संस्कृतियों के उन सभी लोगों जैसे नहीं हैं, जो आत्ममुग्ध हत्यारे थे। कम से कम कहें तो, हम मानवीय दृष्टि से भी उतने बुरे नहीं हैं, लेकिन हम उतने बुरे हैं, जितने हो सकते हैं, क्योंकि जब तक यीशु के माध्यम से परमेश्वर के साथ हमारा सही संबंध नहीं

होता, तब तक हम उतने बुरे ही रहेंगे, जितने हो सकते हैं और पापी शब्द एक ऐसा शब्द बन जाता है, जिसे अधिकांश लोग समझते भी नहीं हैं। इसका बमुश्किल यह अर्थ होता है कि हमने परमेश्वर की प्रकट इच्छा के विरुद्ध अपराध किया है और हम परमेश्वर को नहीं जानते और इसलिए, हमारे पास उनकी आज्ञा मानने की कोई वास्तविक क्षमता नहीं है। हम अच्छे काम कर सकते हैं। मैं बहुत से पापियों को जानता हूँ, जो बेहतर लोग हैं। असुरक्षित लोग। मैं बहुत से असुरक्षित लोगों को जानता हूँ, जो मुझे लगता है कि कुछ ईसाइयों से बेहतर लोग हैं, लेकिन वे नहीं हैं। वे परमेश्वर के छुटकारे का हिस्सा नहीं हैं। ईसाई परिपूर्ण हैं।

उनमें से कुछ सच कहें तो बहुत बुरे हैं। हम सभी कभी न कभी उस श्रेणी में रहे हैं, लेकिन मुक्ति ही वह चीज़ है जो हमें आगे बढ़ने में मदद करती है, और उम्मीद है? हमें परिष्कृत बनाती है, इसलिए बाइबल में खुद को जानना कितना महत्वपूर्ण है? हमें खुद को जानने की ज़रूरत है। हम ऐसे प्राणी हैं जो लोगों को दूर रखने के लिए हर तरह की सुरक्षा करते हैं। हम हेरफेर के ज़रिए दूसरे लोगों को नियंत्रित करते हैं। हम ईमानदार नहीं हैं। हम किसी से बात करेंगे जो एक बात सोचेगा और दूसरी कहेगा हम मूल रूप से पापी हैं लेकिन परमेश्वर के पास यीशु में इसका समाधान है इसलिए मानव की स्थिति, पतन के प्रभाव उनसे कभी दूर नहीं होंगे जब तक कि अंतिम मोचन न हो जब परमेश्वर हमें अपने पास ले आता है अब एक बार फिर देजा वु, परमेश्वर को जानने की दुविधा हम परमेश्वर के वचन के बिना उस विकृति पर विजय नहीं पा सकते हम खो गए हैं दुनिया के सबसे बुद्धिमान लोग जो परमेश्वर के वचन को नहीं सुनेंगे उनके पास कोई आशा नहीं है जितने वे होशियार हैं और शायद जीवन के कुछ पहलुओं में सफल हैं लेकिन बाइबिल के अनुसार स्वर्ग के नीचे ऐसा कोई नहीं है जिसका नाम यीशु के अलावा कोई और उद्धार लाए क्रूस पर कार्य अब एक बाइबिल ज्ञान-मीमांसा तीसरी धारणा तीसरी धारणा यह है कि परमेश्वर की ज्ञान-मीमांसा पतित दुनिया के लिए प्रावधान है और हम पहले कुरिन्थियों 2 अभी मंच पर है, लेकिन भगवान का ज्ञान-मीमांसा प्रावधान रहस्योद्घाटन है भगवान ने एक शास्त्र देकर विकृति पर काबू पा लिया, उन्होंने इसे मानव के माध्यम से बहुत ही स्वाभाविक तरीके से हमें दिया, यह अक्सर एक श्रुतलेख का मुद्दा नहीं था।

वैसे, कुछ जगहें हैं जहाँ ऐसा होता है, लेकिन यह नबियों और प्रेरितों के जीवन में पवित्र आत्मा का कार्य था। किसने परमेश्वर के संदेश को कोडित किया? रहस्योद्घाटन ताकि यह हमारे पास हो। यह हमारे साथ नहीं होता। यह उनके साथ हुआ। प्रेरितों और नबियों के पास हमारे पास उत्पाद है। हम कुछ मायनों में अधिक धन्य हैं क्योंकि हमारे पास पूरा उत्पाद है और आप बाइबिल में पढ़ सकते हैं जहाँ वे भविष्य में यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि यीशु क्या होने जा रहा था और क्या करने जा रहा था। यहाँ तक कि पतरस ने भी कहा कि पौलुस ने कुछ ऐसी बातें लिखी हैं जिन्हें 2 पतरस 3 में समझना कठिन है। यहाँ तक कि पतरस भी कभी-कभी शास्त्रों से हैरान हो जाता था। उसने कहा कि हमारे भाई पौलुस ने अन्य शास्त्रों में बाइबिल पर बहुत ही दिलचस्प पाठ लिखा है और फिर भी यहाँ एक प्रेरित है जो उस संस्कृति में रहता था जिसने पौलुस से बात की थी, जिसके पास पौलुस के बारे में उसकी शिक्षाओं में जानकारी तक पहुँच थी। फिर भी पौलुस ने जो कहा उससे वह लड़खड़ा गया और उसे चुनौती मिली। अब यदि पतरस को चुनौती दी गई तो मेरे पास आपके लिए खबर है। हम वास्तव में चुनौती दिए गए मैं 1 कुरिन्थियों 2 पर और अधिक व्याख्यान नहीं देने जा रहा हूँ। मैं यहाँ एक लेख डालूँगा जिसे आप जाकर पढ़ सकते हैं क्योंकि आपको इसे स्वयं ही लेना है और मेरी राय में इससे बेहतर कोई कथन नहीं है कि वाल्टर कैसर द्वारा प्रेरणा

और बाइबल पर लिखा गया लेख देखें और यह वेस्टमिंस्टर जर्नल में है और जब आप स्लाइड प्राप्त करेंगे तो मैं इसे स्लाइड पर रखूँगा। खैर, हम फिर से उसी पर आ गए हैं। निश्चित रूप से, अब तक आप इससे थक चुके होंगे, लेकिन मुझे आशा है कि आप इससे थक जाएँगे।

आप इसे अपने सपनों में देखते हैं। ठीक है, सपने दिन भर के विचारों की व्यस्तता से निकलते हैं, और इसलिए, मैं आपके सपनों पर आक्रमण करने जा रहा हूँ। तो, विश्वदृष्टि क्या है? खैर, विश्वदृष्टि एक वैचारिक प्रणाली है। यह एक वैचारिक प्रणाली है। यह एक लेंस है। ये चश्मे लेंस हैं, और कुछ लोग वन लाइव, प्रेस्बिटेरियन लेंस, पवित्रता लेंस लगाते हैं। बाइबल कई मायनों में हमारे अधीन है, और यह उस विविधता का हिस्सा है जिसे भगवान ने न केवल अनुमति दी है बल्कि आदेश दिया है और उसने ऐसा क्यों किया। हम तब तक नहीं जानते जब तक यह सब खत्म नहीं हो जाता, लेकिन हमारे पास लेंस हैं, और एक विश्वदृष्टि हमारा लेंस है।

यह एक मानसिक ढांचा है, एक वैचारिक प्रणाली है। अब, जब हम परमेश्वर के वचन के पाठ पर आते हैं, तो हम पाठ को पढ़ते हैं कि हमारे पास हमेशा वे लेंस होते हैं, इसीलिए हमें विभिन्न लेंसों को समझने के लिए खुद को अनुशासित करना होगा ताकि हम उनके लेंसों और उनकी रचनात्मक संरचनाओं के पीछे वापस जा सकें और सवाल पूछ सकें। पाठ वास्तव में क्या कहता है? मैं एक विद्वान हूँ। मैं नए नियम में हूँ; मैं बाइबिल में हूँ। मैं बहुत सारे धर्मशास्त्र करता हूँ, लेकिन मैं खुद को धर्मशास्त्री नहीं कहता क्योंकि यह एक बहुत बड़ा क्षेत्र है। मैं बस बाइबिल का अध्ययन करने की कोशिश कर रहा हूँ, और मैं वह सब नहीं कर सकता, इसलिए मैं उस पाठ को प्राप्त करना चाहता हूँ जैसा कि हमें दिया गया था और फिर उस संदर्भ को करना कि इसका अब हमारे लिए क्या अर्थ है और यह हम सभी को व्यस्त रखने के लिए पर्याप्त है और यहाँ फिर से, आप एक आम व्यक्ति के रूप में ऐसी स्थिति में हो सकते हैं जहाँ आप कहते हैं कि यार, काश मैं ऐसा कर पाता।

काश मैं अपनी नौकरी छोड़ सकता और अपने परिवार के लिए जो कुछ भी नहीं कर सकता, उसे पसंद करने के लिए नौकरी छोड़ सकता और अधिक सीख सकता। खैर, यही जीवन में आपकी जगह है। यही ईश्वर का आपको बुलावा है, जहाँ आप अभी हैं, और आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। आप इन व्याख्यानों को सुनें। आप इसे ग्रहण करें, और आप इसके बारे में सोचें। आप इन्हें फिर से सुनें, और आप जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया के रूप में विकास में आगे बढ़ेंगे। हमें बाइबल क्या सिखाती है, इसके बारे में आजीवन जिज्ञासा के साथ आजीवन सीखने वाले बनना होगा, ताकि हम उन लेंसों में विविधता देख सकें, जिनके माध्यम से हमें काम करना है। हम अपनी दुनिया को देखते हैं। हम खुद को देखते हैं। ईसाइयों के बीच बहुत सी सामान्य जानकारी है, लेकिन फिर भी मतभेद हैं। ये हमारी पूर्वधारणाएँ और दृढ़ विश्वास हैं जिन्हें हम पहचानते हैं और अपने जीवन में लागू करते हैं। वे मूल रूप से हमारा विश्वदृष्टिकोण हैं। अब, सभी ईसाइयों का विश्वदृष्टिकोण समान है, लेकिन हमारे विश्वदृष्टिकोण के कुछ हिस्से अन्य स्रोतों से आते हैं, और इसलिए हमें अपने विश्वदृष्टिकोण को लगातार दबाना और चुनौती देना है। अब।

विश्वदृष्टि में क्या शामिल है? हमारा विश्वदृष्टिकोण हमारी दुनिया में खुद की हमारी व्याख्या को कैसे केंद्रित करता है? एक ही डेटा की अलग-अलग व्याख्याएँ वास्तविकता के बारे में क्या संकेत देती हैं? मैंने संकेत दिया है कि यह भगवान के आदेश का एक बड़ा हिस्सा है, उन्होंने विविधता

का आदेश दिया है, और हमारे पास इसका उत्तर नहीं है, लेकिन हमारे पास यह है, और हमें इसे स्वीकार करना होगा और इससे निपटना होगा और उस प्रक्रिया में उनका महिमामंडन करना होगा। ठीक है अब, विश्वदृष्टि के घटक क्या हैं? उत्तर मैं कौन हूँ? इसे ऑन्टोलॉजी कहा जाता है। मैं एक बी के रूप में कौन हूँ? खैर, मैं भगवान की छवि बना रहा हूँ। मैं उनका प्रतिनिधि हूँ, उनका प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि उनका प्रतिनिधि। उन्होंने मुझे पवित्र होने के लिए बुलाया है, क्योंकि वे पवित्र हैं।

उसने मुझे आज्ञाकारी होने के लिए बुलाया है। उसने मुझे बहुत सी चीज़ों के लिए बुलाया है जो मैं करूँगा, फिर मैं दस ज़िंदगियाँ जी सकता हूँ और कभी पूरी नहीं कर सकता, लेकिन मुझे वह करना है जो मैं हूँ। मैं ईश्वर की छवि में बनाया गया एक व्यक्ति हूँ जिसे ईश्वर और उसके बेटे यीशु ने इस दुनिया में उसकी इच्छा पूरी करने का आदेश दिया है? मैं क्या जानता हूँ? ज्ञानमीमांसा। खैर, हम बहुत सी चीज़ें जानते हैं, और हम सभी की विशेषताएँ हैं। आप में से कुछ इंजीनियर हैं, आप में से कुछ शिक्षक हैं, और आप में से कुछ कार और बसें ठीक करते हैं ताकि हममें से बाकी लोग इधर-उधर जा सकें।

ऐसा कर पाना एक बहुत बड़ा उपहार है। हम सभी, चाहे हम जीवन में कुछ भी करें, मसीह के शरीर की तरह हैं। हमारे पास ईश्वर की छवि में होने और बगीचे की तरह काम करने और अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक सार्थक स्थान है। हो सकता है कि ईश्वर कुछ लोगों को शिक्षक बनने और अपने जीवन को उसके लिए समर्पित करने के लिए बुलाए। आपकी मदद करने के लिए, हमें विश्वास है कि आप इसका लाभ उठाएँगे। मैं क्या जानता हूँ? मैं क्या जानता हूँ? ज्ञान एक बढ़ती हुई चीज़ है, लेकिन हम कुछ बुनियादी बातें जानते हैं, और बुनियादी बातें वही हैं जो ईश्वर ने हमें अपने काम में दी हैं। उसने हमें अकेला नहीं छोड़ा है। उसने हमें एक संचार दिया है जिसे खोलने में हमारा जीवन व्यतीत होगा और केवल इतना ही मिलेगा। जीवन में हमारे सामने आने वाले सवालों के जवाब देने के लिए हमारे पास एक प्रतिमान होना चाहिए, और यही मैं आपकी मदद करने की कोशिश कर रहा हूँ। इसके अलावा, मुझे क्या करना चाहिए? तो ऑन्टोलॉजी? ज्ञानमीमांसा मूल्यमीमांसा मूल्यमीमांसा मूल्यमीमांसा मूल्यमीमांसा ग्रीक शब्द है। वास्तव में, मूल्यमीमांसा वह है जो मुझे करना चाहिए। मैं क्या महत्व देता हूँ और जीवन क्या करता है? मैं परमेश्वर की आज्ञा कैसे मानूँ? खैर, इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए आपके पास बाइबल का बहुत सारा भाग है, और इसलिए यही हमारा आह्वान है।

हमारा आह्वान परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने के लिए पवित्रशास्त्र को पूरा करना है, और जब हम वहाँ पहुँचेंगे तो मैं परमेश्वर की आज्ञाकारिता की वाचा के एक भाग के रूप में प्रेम की अवधारणा के बारे में आपसे बात करने जा रहा हूँ। ठीक है? अब, फिर से इस पर वापस आते हैं। खैर, आप इससे ऊब जाएँगे खैर, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप इसे नहीं भूलेंगे। मुझे उम्मीद है कि आप इसे बना सकते हैं, इसे अन्य लोगों के साथ साझा कर सकते हैं, और उन्हें भी आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं, लेकिन मेरा परिवर्तन करने के लिए, आपका विश्वदृष्टिकोण और मूल्य बदल रहे हैं, और जैसे-जैसे आप जीवन में आगे बढ़ेंगे और परमेश्वर के वचन का अनुसरण करते हुए कुछ अन्य चीज़ें सीखेंगे, यह संशोधित होने जा रहा है। मैं आपको बस एक छोटा सा उदाहरण देता हूँ यह किंग जेम्स बाइबल का शासन था यह था कि एक श्लोक है जो पहले थिस्सलुनीकियों में था।

इसमें बुराई के सभी रूपों से बचने के लिए कहा गया है। यह किंग जेम्स का अनुवाद है, बुराई के सभी रूपों से बचें। मैं आपको बता रहा हूँ कि यह श्लोक लोगों को अपनी सोच के तरीके में हेरफेर करने के लिए एक हथियार बन गया। आप ऐसे रेस्टोरेंट में नहीं जा सकते जहाँ शराब परोसी जाती है क्योंकि आप बुराई के बीच में हैं। आपको बुराई के सभी जनक से बचना होगा। तो यह एक प्रमाण पाठ बन गया है जो कहता है कि आप एक अच्छे भोजन के लिए बाहर जा सकते हैं ऐसी स्थिति में जहाँ वे ऐसा कुछ परोस सकते हैं। ओह, और या बॉलगेम देखने या टेलीविज़न देखने या जो भी हो।

यह हो सकता है कि वह पद एक क्रॉबर था। बेहतर अनुवाद सामने आए, जो यह प्रस्तुत करते हैं कि मुझे लगता है कि हमने जो सीखा, वह यह था कि किंग जेम्स ने हमें कुछ ऐसा दिया, जिसने संगति के कारण अपराध बोध पैदा किया। बुराई के सभी आभासों से बचें, और पद ने ऐसा नहीं कहा। पद की धुरी वास्तव में हर प्रकार की बुराई से बचने के लिए कहती है। उपस्थिति शब्द वहाँ नहीं है। अब हर प्रकार की बुराई से बचें; वह कोई खेल नहीं है। यह संगति के कारण अपराध बोध के बारे में नहीं है। यह उपस्थिति के बारे में नहीं है। यह प्रकारों को परिभाषित करने के बारे में है, और अनुमान लगाइए आपको यह परिभाषा कहां से मिली। यह पाठ से ही सही है, इसलिए अभी बहुत कुछ करना है। परिवर्तन एक तर्कसंगत प्रक्रिया है, और मैं इस बात पर जोर देने जा रहा हूँ कि स्थानांतरण परिवर्तन बाइबिल की शिक्षा पर आधारित एक तर्कसंगत प्रक्रिया है। अब, आप यह प्रश्न पूछ सकते हैं: ठीक है, आपने भक्ति जीवन के बारे में बहुत कुछ नहीं कहा खैर, यह बहुत अच्छा होगा यदि आपका विश्वदृष्टिकोण, मूल्य और शास्त्र की समझ आपको शास्त्रों में कहीं गई बातों तक ले जाने में सक्षम हो ताकि आपकी भक्ति सटीक हो। भक्ति अपने आप में महान है, लेकिन यह शास्त्र पढ़ने की आपकी क्षमता पर निर्भर करती है। भक्ति शास्त्र से निकाली नहीं जाती है। सुबह 15 मिनट के लिए बाइबल पढ़ना, दिन में बाहर जाना और जो पढ़ा उसे भूल जाना क्या ईसाई जीवन का रहस्य नहीं है? आपके लिए बाइबल का शब्दकोश पढ़ना बेहतर होगा जहाँ आपको कोई ऐसा लेख मिले जो बाइबल के बारे में कुछ समझाए। हो सकता है कि आप शास्त्र पढ़ते हों, और वहाँ कोई शब्द हो।

यदि आप नहीं समझते हैं, तो आप एक-खंड का शब्दकोश निकाल लेते हैं। एर्डमैन का बाइबिल शब्दकोश एक बहुत बढ़िया एक-खंड का शब्दकोश है, और अंदाज़ा लगाइए क्या? आप कुछ सीखेंगे, और जब आप कुछ सीखेंगे, तो आप बेहतर तरीके से समर्पित होंगे। भक्ति के व्यक्तिपरकता ने बहुत से लोगों को परेशानी में डाल दिया है क्योंकि उनकी कल्पना ही भक्ति के उस क्षण से उनकी एकमात्र सीमा है, और उन्होंने परमेश्वर के वचन के बारे में सोचने की प्रक्रिया को दरकिनार कर दिया है और परमेश्वर का वचन हमसे क्या अपेक्षा करता है और हम उसका पालन कैसे करते हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप अपनी भक्ति में सुरक्षित नहीं हैं। आप वही कहेंगे जो पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा। खैर, मुझे खेद है, लेकिन मैं इसके बारे में बाद में बात करने जा रहा हूँ। आप कुछ चीजों के बारे में जागने जा रहे हैं कि आत्मा क्या करती है और क्या नहीं करती है। हम आत्मा को और वास्तव में परमेश्वर को कई बार चीजों के लिए दोषी ठहराते रहे हैं, जबकि यह हमारी अपनी समस्या है। इसलिए, रोमियों 12 1 और 2 द्वारा परिवर्तन एक तर्कसंगत प्रक्रिया है जिसे उस विश्वदृष्टि और मूल्य प्रणाली को शामिल करके और विकसित करके अपने मन को बदलने के द्वारा परिवर्तित किया जा सकता है। इसके अलावा, यहाँ एक

छोटी सी चीज़ है जो मुझे लगता है कि एक छात्र ने मेरे लिए बनाई है। मुझे उस व्यक्ति के साथ डेटिंग करने का श्रेय कहीं मिला है, लेकिन मैंने इसे नहीं बनाया। यह इसी पर एक बदलाव है। आपके पास अनंत काल में सर्कल में भगवान हैं। वह अपनी इच्छा से मानव प्रतिनिधियों के लिए विभिन्न माध्यमों के माध्यम से खुद को प्रकट करता है, न कि प्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व करता है।

हम यहां हैं, और प्रेरितों ने 1 कुरिन्थियों 2:6 से 16 में रहस्योद्घाटन को कोडित किया और फिर यह हमारे पास आता है जिस पर हम एक विश्वदृष्टि और मूल्यों के समूह का पालन करने और संश्लेषण करने पर निर्भर हो जाते हैं। यह सिर्फ एक और बदलाव या एक चार्ट है जो मुझे लगा कि आपको पसंद आएगा ठीक है, हमने इसे पहले देखा है, लेकिन आइए इसे फिर से देखें। आपका विश्वदृष्टिकोण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, और इसी तरह के अन्य मामलों के बारे में निर्णय लेता है। मुझे लगता है कि मैं हमेशा आपको शिक्षा, होमस्कूलिंग, पब्लिक स्कूल के बारे में थोड़ा बहुत देखने की कोशिश करता हूं। बाइबिल ने आपको इसके बारे में कोई प्रमाण पाठ नहीं दिया। वास्तव में, बाइबिल ने आपको खुद को स्वीकृत दिखाने के लिए अध्ययन के अलावा स्कूल के तरीके के बारे में नहीं बताया। पुराने नियम में बाइबिल की आयतों को अपने गले में लटकाएं मैंने अपने दिल में एक शब्द छिपाया है, दिल ही मेरा है, दिमाग ताकि आप दिन भर इसके बारे में सोच सकें, जैसे आप उठते हैं, जैसे आप सोते हैं, शास्त्र हमेशा लोगों के साथी रहे हैं क्योंकि यही मार्गदर्शक है, लेकिन राजनीति बहुत कठिन है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, मुझे यकीन है कि आप जानते हैं कि हमारे पास कुछ बहुत ही उत्साहजनक चुनाव हैं। हमारे पास अभी तक कोई तख्तापलट नहीं हुआ है, लेकिन तथ्य यह है कि हमारे पास संयुक्त राज्य अमेरिका में कुछ बहुत ही नॉक-डाउन और खींचे गए चुनाव हैं। और इसलिए, परिणामस्वरूप, ईसाई उस स्थिति में आते हैं।

हम राष्ट्रपति के लिए कैसे वोट करते हैं? खैर, ईसाई कहेंगे कि मैं उस राष्ट्रपति को वोट दूंगा जो मांग पर गर्भपात के खिलाफ है, यह एक ऐसा मूल्य है जो हममें से कई ईसाइयों के पास है, लेकिन आपको उस व्यक्ति के बारे में इससे कहीं अधिक प्रश्न पूछने होंगे जो शासन कर रहा है शायद दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक जिसके पास सबसे भयानक हथियार हैं इसलिए ऐसे सभी प्रकार के मुद्दे हैं जो एक ईसाई इन प्रश्नों के साथ आता है लेकिन उन सभी का न्याय हमारे विश्वदृष्टिकोण और मूल्यों की हमारी समझ से होना चाहिए। हमें हमेशा वह नहीं मिलता जो हम चाहते हैं, और हमें अपने विश्व के संदर्भ में ईश्वर के अच्छे निर्णायक कार्य पर आराम करना चाहिए। हम उस संबंध में कुछ चीजें देख सकते हैं जो हमें परेशान करती हैं, और हम उन कुछ चीजों को ला सकते हैं जो हमें परेशान करती हैं। अब्राहम और लूत के उदाहरण और उनके निर्णयों के बारे में सोचने के लिए बहुत कुछ है वह वही था जिसके माध्यम से लूत के भौतिक संदर्भ में परमेश्वर प्रकट हुआ था, और मुझे लगता है कि रात में आग के चारों ओर, मौखिक संचार पारित किया गया था। उस अवधि में परमेश्वर के संचार के साधनों की नींव मौखिकता थी। आपको उत्पत्ति के अध्याय 17 और 19 से 19 को देखना चाहिए, उन्हें पढ़ना चाहिए, और देखना चाहिए कि लूत ने कैसे उल्लंघन किया। अब्राहम से उसे जो संदेश मिला वह यह था कि उस अवधि के दौरान परमेश्वर सदोम और अमोरा अच्छे शहर नहीं थे।

उन्होंने मोज़ेक जानकारी का उल्लंघन किया जो बाद में आई, लेकिन यह अभी तक नहीं आई है। हम नहीं जानते कि भगवान ने अब्राम को कितना बताया। मुझे यकीन है कि यह उन्हें साथ रखने के लिए पर्याप्त था। वे जानते थे, और बाइबल उत्पत्ति के नकारात्मक वर्णन में यह स्पष्ट रूप से बताती है कि लूत एक बुरी जगह थी। यह एक ऐसी जगह थी जिसने कई तरीकों से भगवान का उल्लंघन किया। आप जानते हैं, आपको आगे बढ़कर इसे पढ़ने की जरूरत है और देखें कि कैसे लूत ने अपने मवेशियों और घास के लिए शहर में रहने के लिए खुद को दे दिया लेकिन अपने बच्चों के लिए नहीं और आप देखते हैं कि उसके बच्चों के साथ क्या हुआ, आप देखते हैं कि लूत फाटक पर बैठा है और फाटक राजनीतिक शक्ति का स्थान था वह एक न्यायाधीश था और मैं चाहता हूँ कि आप 2 पतरस अध्याय 2 पद 4 से 10 को देखें क्योंकि 2 पतरस के बिना हम अभी भी लूत के बारे में बहुत कुछ सोच रहे होंगे लोगों ने शाऊल के बारे में शोधपत्र लिखे हैं राजा शाऊल क्या वह एक आस्तिक था और यह आश्चर्यजनक है कि उस प्रश्न पर कितने शोधपत्र लिखे गए हैं ठीक है, अगर यह पतरस के लिए नहीं होता, तो हम लूत के बारे में किसी से भी ज्यादा शोधपत्र लिख रहे होते अध्याय 2 पद 4 को देखें यदि परमेश्वर ने पाप करने पर स्वर्गदूतों को नहीं छोड़ा बल्कि उन्हें नरक में डाल दिया और उन्हें न्याय के लिए रखने के लिए घोर अंधकार में बदल दिया यदि सदोम और अमोरा को राख में मिला दिया उसने उन्हें विलुप्त होने की निंदा की उन्हें इस बात का उदाहरण बनाया कि उन अधर्मियों के साथ क्या होने वाला है जो परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करते हैं और फिर यह अभी तक लिखा भी नहीं गया था और अगर उसने यहाँ बचाया, तो मैंने धर्मी लोगों से पहले ही इसका उल्लेख किया था। एक मिनट रुको, इससे तुम्हें जाग जाना चाहिए।

आप लूत को धर्मी कैसे कह सकते हैं? उसने अपनी बेटियों के साथ यौन संबंध बनाए। शहर छोड़ने के बाद, मोआब और हैमंड का जन्म हुआ, और वे अपने पूरे इतिहास के लिए इसराइल के पक्ष में काँटा बन गए। यदि उसने दुष्टों के कामुक आचरण से बहुत परेशान एक धर्मी लूत को बचाया, तो आप कहानी जानते हैं जब आप उत्पत्ति का विवरण पढ़ते हैं। उसने अपनी बेटियों को उन यौन रूप से अनैतिक लोगों को देने की बजाय उन्हें उन लोगों को देने की पेशकश की जो उससे मिलने आए थे जो स्वर्गदूत थे, और वह पूरी तरह से समझ नहीं पाया होगा कि वह धर्मी व्यक्ति उनके बीच दिन-प्रतिदिन कितनी दुष्ट मानसिकता रखता था। वह अपनी धर्मी आत्मा को पीड़ा दे रहा था। इस संदर्भ में धर्मी का मतलब यह नहीं है कि उसने सही किया बल्कि यह कि वह जानता था कि क्या सही था। अब, एक कठिन बात है: वह जानता था कि क्या सही था

वह जानता था कि क्या सही था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। माफिया के नियंत्रण में एक न्यायाधीश होने के लिए यह एक भयानक जगह है। हर बार उसे उस शहर के मूल्यों के अनुरूप निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जाता था। वह अपने मन, अपनी आत्मा को उस उल्लंघन के द्वारा उसकी गहराई तक प्रताड़ित कर रहा था। उस शहर में रहने का उसके परिवार, उसके दामादों पर जो परिणाम हुआ, वह उसने खो दिया। उसने अपनी पत्नी को खो दिया, जिसने पीछे मुड़कर उस विनाश को देखा और अपने मन और अपने जीवन में उसने कहा, मुझे आपसे घृणा होगी भगवान। पाठ यह नहीं कहता कि मैंने ऐसा किया। मुझे आपसे घृणा है भगवान, मेरे परिवार, मेरे घर, मेरे सामान के साथ ऐसा करने के लिए और इस वजह से उसने झांका नहीं, बल्कि उसने गुस्से से पीछे देखा और भगवान ने उसे वहीं पर न्याय दिया, लेकिन उस शहर के संबंध में उसकी इच्छा से असहमत थी। मेरे पास बहुत से उपदेश हैं, मेरे उपदेश का यह शीर्षक

है कि आप एक ईसाई हैं और आपने उन मूल्यों को नकार दिया जो आपके पास हैं, चाहे आप उन्हें जिस सीमा तक भी रखते हों, आपको बुरा लगता है। आपको ऐसा करना चाहिए। यह दृढ़ विश्वास है। वास्तव में, यह आपके विवेक का दृढ़ विश्वास है, लेकिन यह आत्मा का दृढ़ विश्वास भी हो सकता है, इस अर्थ में कि आपको यह विश्वास दिलाया जाता है कि आप परमेश्वर के वचन का उल्लंघन कर रहे हैं, जो आप नहीं करते हैं। यह आत्मा की भूमिका है, आत्मा की भूमिका दृढ़ विश्वास है। आत्मा की भूमिका आपको यह बताना नहीं है कि आपको क्या करना है।

आत्मा की भूमिका आपको जानकारी देना नहीं है। आत्मा की भूमिका आपको दुनिया के नज़रिए के बारे में समझाना है। आपके पास जो दुनिया का नज़रिया और मूल्य हैं और जो काम रोमियों 12:1 और 2 के संदर्भ में थे, इसलिए अब्राहम और लूत के मूल्य बढ़े। अब्राहम के पास कुछ बुरे समय थे, लेकिन वह बहुत नीचे चला गया, और उनके स्वैच्छिक विकल्प, उनकी इच्छा और नैतिक विकास अब्राहम ने विकसित किया और लूत गलत दिशा में विकसित हुआ। यह मूल्यों की एक अद्भुत तस्वीर है और कैसे उनका उल्लंघन करने से दुखी जीवन जीने वाले दुखी लोगों को जन्म मिल सकता है। आओ खूब पढ़ें और उनके उदाहरण का अनुसरण करें, और आप ऐसा करेंगे, खासकर अगर आप ईश्वर को जानते हैं क्योंकि ईश्वर आपको बहुत आसानी से ऐसा करने नहीं देगा। आपको बुरा लगेगा। जब तक आप उन मान्यताओं को संस्कारित नहीं करेंगे, तब तक आपको दोषी ठहराया जाएगा। आप एक दुखी व्यक्ति बनने जा रहे हैं, इसलिए ईश्वर आपको इससे मुक्ति दिलाए। अब, सावधानी: हमारे विश्वदृष्टिकोण और मूल्यों को हमेशा ईश्वर के वचन द्वारा मान्य किया जाना चाहिए। हम इन चीज़ों के बारे में अपने आप में अधिकारी नहीं हैं, लेकिन हमें उन्हें पवित्रशास्त्र के माध्यम से प्रमाणित करना होगा, और यह पूरे चर्च का काम है। पूरे चर्च में उनके साथ समुदायों का काम, जैसे-जैसे हम परमेश्वर की आज्ञा मानने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। प्रेरितों के काम की पुस्तक में जब पौलुस ने ईसाइयों को सताया, तो उस पर विचार करें, और हो सकता है कि वह स्तिफनुस के टालमटोल की उपस्थिति में रहा हो। वह अपने विश्वदृष्टिकोण के प्रति आज्ञाकारी था।

उन्हें ईसाइयों को कैद करके अच्छा लगा, यहाँ तक कि उन्हें मरते हुए भी। उन्हें अच्छा लगा कि वे ईश्वर की सेवा कर रहे थे, उनका विश्वदृष्टिकोण और मूल्य इसराइल में एक शिक्षक के रूप में बहुत स्थापित थे, क्योंकि उन्होंने उस समय के कुछ महान शिक्षकों में से एक के अधीन अध्ययन किया था। वे इतने जड़ हो चुके थे कि यीशु को दमिश्क के रास्ते पर उनके सिर पर थप्पड़ मारना पड़ा और कहना पड़ा, पॉल, सुनो। तुम्हें सीधे नीचे जाना है, और उन्होंने इसे सीधे नीचे किया, और देखो पॉल क्या बन गया। पॉल ने नए नियम का अधिकांश भाग नहीं लिखा। उन्होंने नए नियम में सबसे अधिक आइटम लिखे, लेकिन ल्यूक ने वास्तव में अधिकांश लिखा। ल्यूक और प्रेरितों के काम बहुत बड़े हैं। ल्यूक का गुरु कौन था? यह पॉल था। इसलिए, जब उसने चर्च को सताया, तो वह अपने विश्वदृष्टिकोण के प्रति आज्ञाकारी था। उसके पास शायद स्टीफन स्टोन था। यीशु से पहले उसका विश्वदृष्टिकोण और मूल्य सही नहीं थे, लेकिन अब इसमें समायोजन की आवश्यकता थी। पॉल अपने विश्वदृष्टिकोण और मूल्यों के प्रति इतने वफादार थे कि भगवान को हस्तक्षेप करना पड़ा, और पॉल ने परिवर्तन किया, और हम परिणाम देखते हैं अपने आप को जानो आप जानते हैं, हममें से अधिकांश को कभी भी खुद के बाहर खड़े होने और अपने व्यवहार को देखने का विशेषाधिकार नहीं मिला है कि हम अन्य लोगों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं, हम अपने आप से कैसे व्यवहार करते हैं, हम अपने परिवार के साथ कैसे व्यवहार करते हैं, हम

कभी-कभी खुद के प्रति अंधे होते हैं, एक अविश्वासी कवि थोरो थे जिन्होंने यह टिप्पणी की थी कि बिना जांचे-परखे जीवन जीने के लायक नहीं है, जो लोग खुद को नहीं जानते हैं क्या ये सबसे दुखी प्रकार के लोग हैं क्योंकि वे जीवन में संघर्ष कर रहे हैं, जीवन को हेरफेर करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे जो बनना चाहते हैं वह बन सकें, यहां तक कि भगवान को भी हेरफेर करने की कोशिश कर रहे हैं कि वे जो चाहते हैं वह बनें।

खैर, हर समय, वह धैर्यपूर्वक वहाँ बैठता है और उनका इंतज़ार करता है कि वे उसे जानें ताकि वे खुद को जान सकें। हम सभी को अपनी जागरूकता बनाए रखने में मेहनती होना चाहिए कि हमारा विश्वदृष्टिकोण और मूल्य परमेश्वर के वचन के अनुरूप हों ताकि हम जीवन में जो निर्णय लें वे उसकी इच्छा के अनुरूप हों। ठीक है, ठीक है, यह जीएम है। क्या आपको यकीन है कि मुझे यहाँ आपके लिए सही नंबर मिल गया है? ओह, ठीक है, मैंने बहुत सारे पेज पूरे कर लिए हैं, जीएम 7, और मैंने आपको वह हैंडआउट दिया, जिस पर मैंने चर्चा नहीं की, जो आपके नोट्स में है। हमने विश्वदृष्टि और मूल्यों के बारे में बात की है, लेकिन हमने ज्यादातर विश्वदृष्टि और इसे कैसे स्थापित किया जाता है, इस बारे में बात की है। अगले पाठ, जीएम 8 में, अगला पाठ मूल्यों पर होगा यह देखने के लिए कि वे हमारे विश्वदृष्टि से कैसे संचालित होते हैं